692

673 5000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५000रु. Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हज़ार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

उपर्युक्त वर्णित भूमि का मूल्य मार्गदर्शिका पंजी के अनुसार निर्धारित न्यूनतम मूल्य से कम नहीं है। 27-6-11

[illegible] 1908 [illegible]

with the Permission by L.R.D.C. Simdega vide Case No. 10/2011-12 order dated 14.6.11

27/6/11

27.6.11

§1§ लेख्यकारी:- श्री जोहन डुंगडुंग पिता स्व0 जुनाथन डुंगडुंग, जाति- खड़िया, पेशा- खेतीबारी, निवास ग्राम- खिजरी, थाना- सिमडेगा, जिला- सिमडेगा ।

.. .. .. विक्रेता ।

शपथ-पत्र संख्या:- 442/2011

20 Rs.

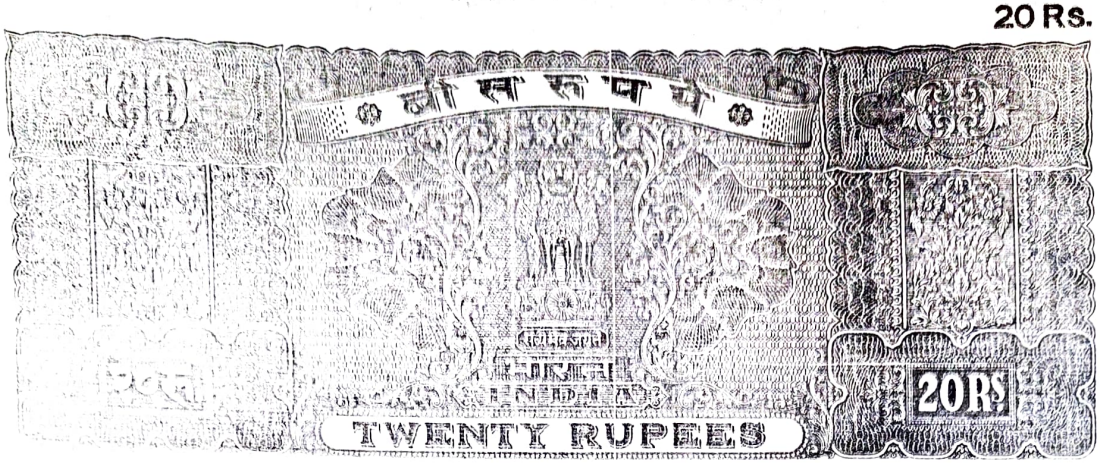

§2§ लेख्यधारिणी:- श्रीमती प्रफुलित अनिता कुजूर पति श्री गुलसन कुजूर, जाति- उराँव, पेशा- खेती, निवास गाँव- सिकरियाटांड़, थाना- सिमडेगा, जिला--सिमडेगा ।

.. भारतीय नागरिक .. क्रेतिका ।

शपथ-पत्र संख्या:- 443/2011

§3§ लेख्यप्रकार:- विक्रय पत्र केवाला वैला कलामी पुत्र पुत्रादिक सदा सर्वदा के लिए होता है ।

§4§ मूल्य:- मोबलिग एक लाख सताईस हजार रूपये अंके 1,27,000/- रूपये होता है ।

§5§ सम्पत्ति:- एतद्जियात अन्दर मौजा- खिजरी पुरनापानी, थाना- सिमडेगा, थाना नं0 105, सदर रजिस्ट्री आफिस वो जिला- सिमडेगा के खाता नं0 119 §एक सौ उन्नीस§ प्लाट नं0 561 §पाँच सौ एकसठ§ रकबा 0.11½ एवह §साढ़े ग्यारह डिसमिल§ आवासीय जमीन, जिसपर किसी प्रकार का मकान या निर्माण नहीं है ।

जिसकी चौहद्दी:-

उत्तर:- हाबिल किड़ो का बारी,

दक्षिण:- इसी प्लाट का अंश रास्ता 10 फीट का कच्ची,

पूरब :- फुलकुमारी मिंज एवं हाल खरीदगी टांड़,

पश्चिम:- कच्ची सड़क ।

मालगुजारी 10 पैसा §दस पैसा§ अलावे सेस सलाना ।

20 Rs.

--3--

§1§ चूँकि मुझ लेखयकारी को मकान बनाने एवं अन्य दीगर घरेलू खर्च के लिए रूपयों की जरूरत पड़ी जिसकी व्यवस्था जमीन बेचे वगैर सम्भव न हुई और तब मैंने लेखयधारिणी से मेरी जमीन खरीदने की प्रार्थना की जिसे उन्होंने खरीदना एवं रूपये देना स्वीकार किया ।

§2§ इसलिए मैंने अपनी इच्छा से शरीर वो मन की स्वस्थता में रहकर उपर खाना संख्या पाँच में वर्णित जमीन को उक्त लेखयधारिणी के हाथ नगद कीमत चुकता पाकर बेचा और बेची गई जमीन का कुल हक दखल वो अधिकार उक्त लेखयधारिणी वो उनके उत्तराधिकारियों के हाथ सदा दिन के लिए हस्तान्तरित कर दिया । अब से बेची गई जमीन पर न मेरा कोई हक सरोकार रहा और न मेरे किसी उत्तराधिकारी या स्थानापन्न का कोई हक सरोकार रहा और न आइन्दा रहेगा ।

§3§ मैं प्रतिज्ञा करता हूँ कि बेची जा रही जमीन मेरी खतियानी है, पिछले नाप में मोटा खड़िया वो परेम खड़िया पेशरान चुड़ू खड़िया वो कहुस पाहन वल्द पउरा पाहन वो आनन्द मसीह खड़िया वो गबरैल खड़िया, पेशरान कैरा खड़िया के नाम से कायमी नाप हुआ था । खतियानी रैयतों की मृत्यु हो चुकी है । खतियानी रैयतों के बीच जमीन का बँटवारा पूर्व में ही हो गया है । कहुस पाहन मेरे दादा थे । उनका एकमात्र पुत्र जुनाथान हुँगहुँग थे । जुनाथन हुँगहुँग मेरे पिताजी थे, मेरे पिताजी का भी मृत्यु हो

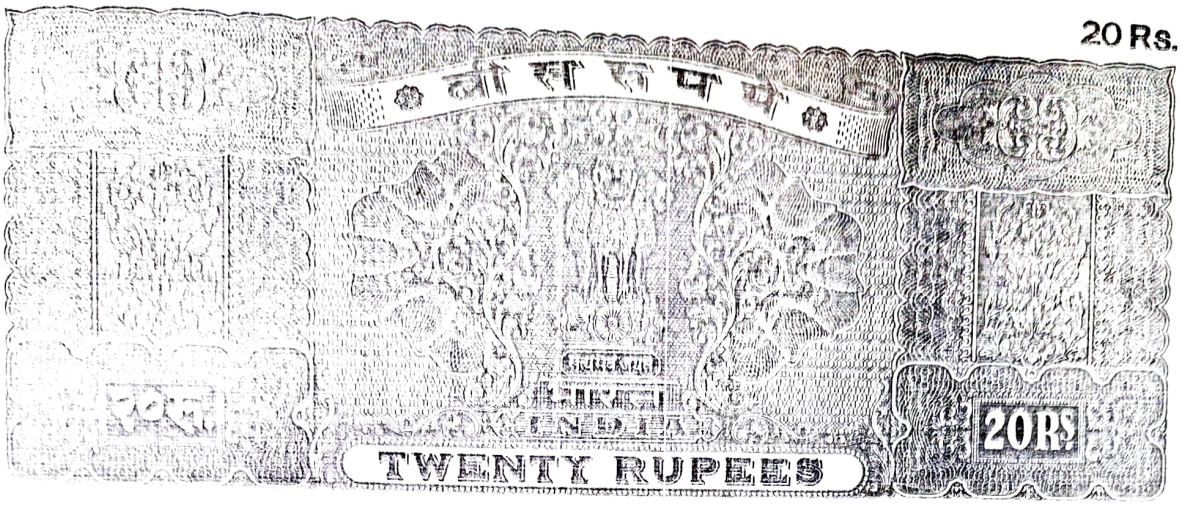

चुकी है, उनके तीन पुत्र थे, मैं तथा मेरा छोटा भाई प्यारा हुँगहुँग तथा जकरियस हुँगहुँग । मेरे पिताजी का जमीन उत्तराधिकारी के द्वारा प्राप्त हुआ । मेरे तीनों भाईयों के बीच जमीन का बँटवारा मौखिक हो चुका है । बेची जा रही जमीन मेरे हिस्से वो दखल कब्जे की है ।

§4§ चुँकि हम उभय पक्ष आदिवासी समुदाय के सुरक्षित सदस्य हैं अतः जमीन खरीद बिक्री हेतु अनुमति के लिए श्रीमान् उप समाहर्त्ता भूमि सुधार, सिमडेगा के न्यायालय में छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम की धारा 46 के तहत आवेदन दिया । जिसका वाद संख्या 10/2011-12 है, जिसकी स्वीकृति दिनांक 14.6.11 को प्राप्त हुई एवं जिसका मेमो नं0 635§11§ दिनांक 14.6.2011 है ।

§5§ अब चाहिए कि लेखयधारिणी अपनी जमीन पर काबिज वो दखलकार होकर अपना जैसा फायदा का समझें अपने उपयोग में लावें वो झारखण्ड सरकार बजरिये अंचल अधिकारी, सिमडेगा के कार्यालय से अपने नाम पर दाखिल खारिज कराकर तारीख लेखय से व अदाय मालगुजारी के रसीद खास नाम से हासिल किया करें ।

§6§ इसलिए यह विक्रय पत्र केवाला बैला कलामी सदा दिन के लिए लिख दिया कि प्रमाण रहे वो वक्त जरूरत पर काम आवे ।

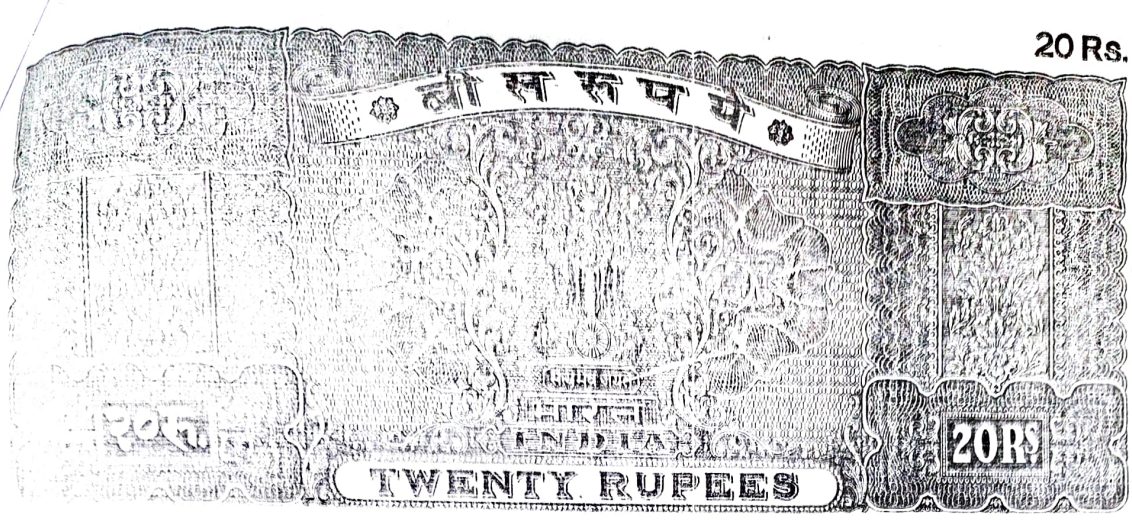

20 Rs.

बीस रुपये

भारत INDIA

TWENTY RUPEES

20RS

मैं लेख्यकारी यह घोषणा करता हूँ कि विक्रीत जमीन वो बचत जमीन सिलिंग के अन्तर्गत नहीं आता है ।

जोहन कुजूर 27-6-11

प्रमाणित किया जाता है कि लेख्यकारी ने अपने बांये हाथ के पांचो अंगुलियों का निशान मेरे सामने दिया।
कोमल दास अधिवक्ता
27/6/011

मैं लेख्यधारिणी यह घोषणा करती हूँ कि पूर्व में धारित जमीन वो खरीदगी के बाद कुल धारित जमीन सिलिंग के अन्तर्गत नहीं आता है ।

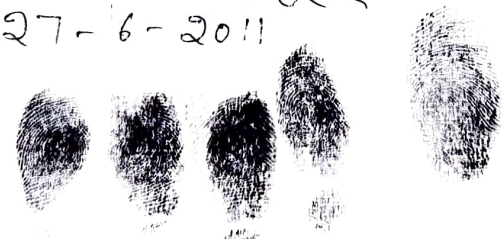

प्रफुल्लित अनिता कुजूर
27-6-2011

प्रमाणित किया जाता है कि लेख्यधारी ने अपने बांये हाथ के पांचो अंगुलियों का निशान मेरे सामने दी।
कोमल दास अधिवक्ता
27/6/011

उभय पक्षों के कहे अनुसार इस विक्रय पत्र दस्तावेज का प्रारूप तैयार किया एवं उनको गवाहों के समक्ष पढ़कर सुना वो समझा दिया जिसे उन्होंने स्वीकार किया ।

सही/- कोमल दास
अधिवक्ता

§प्रारूपकर्त्ता§
तारीखः- 27/6/011

प्रमाणित किया जाता है कि इस विक्रय पत्र दस्तावेज के कुल छः पृष्ठों में कुल 596 शब्द टंकित हैं जो खण्डन रहित वो नक्सा सहित है ।

टंकक
मो० मकसुद
27.6.2011

मो० मकसुद
कचहरी परिसर,
सिमडेगा ।